हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं* ***चार*** *के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) उस रुदन्ती विरहिणी के रुदन-रस के लेप से,
और पाकर ताप उसके प्रिय-विरह विक्षेप से,
वर्ण-वर्ण सदैव जिनके हों विभूषण कर्ण के,
क्यों न बनते कविजनों के ताम्रपत्र सुवर्ण के ?

(ख) विजन-वन-वल्लरी पर
सोती थी सुहाग-भरी – स्नेह-स्वप्न-मग्न –
अमल-कोमल-तनु तरुणी – जुही की कली,
दृग बन्द किये, शिथिल – पत्राङ्क में,
वासन्ती निशा थी;

विरह-विधुर-प्रिया-संग छोड़
किसी दूर देश में था पवन
जिसे कहते हैं मलयानिल ।

(ग) कभी बासन अधिक घिसने से मुलम्मा छूट जाता है ।
मगर क्या तुम नहीं पहचान पाओगी :
तुम्हारे रूप के – तुम हो, निकट हो, इसी जादू के –
निजी किस सहज, गहरे बोध से, किस प्यार से मैं कह रहा हूँ –
अगर मैं यह कहूँ –
बिछली घास हो तुम
लहलहाती हवा में कलगी छरहरी बाजरे की ?

(घ) वह रहस्यमय व्यक्ति
अब तक न पायी गयी मेरी अभिव्यक्ति है,
पूर्ण अवस्था वह
निज-सम्भावनाओं, निहित प्रभाओं, प्रतिमाओं की
मेरे परिपूर्ण का आविर्भाव,
हृदय में रिस रहे ज्ञान का तनाव वह,
आत्मा की प्रतिमा ।

(ङ) उसे मालूम है कि शब्दों के पीछे
कितने चेहरे नंगे हो चुके हैं
और हत्या अब लोगों की रुचि नहीं –
आदत बन चुकी है
वह किसी गँवार आदमी की ऊब से
पैदा हुई थी और
एक पढ़े-लिखे आदमी के साथ
शहर में चली गयी ।

2. हिन्दी नवजागरण के विकास में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के योगदान की चर्चा कीजिए । *16*

3. निराला के काव्य में स्वच्छन्दतावादी और यथार्थवादी प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए । *16*

4. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए । *16*

5. 'उर्वशी' में व्यक्त दिनकर के विचारों की समीक्षा कीजिए । *16*

6. मुक्तिबोध के काव्य-शिल्प का विवेचन कीजिए । *16*

7. शमशेर की सौन्दर्यानुभूति का विश्लेषण कीजिए । *16*

8. अज्ञेय की काव्य-भाषा और काव्य-शिल्प पर प्रकाश डालिए । *16*

9. "महादेवी वर्मा की प्रतीक योजना अद्वितीय है ।" इस कथन पर विचार कीजिए । *16*